आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 283 | उज्जैन, मंगलवार 02 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश में रीवाइल्डिंग से संतुलित होगी वाइल्डलाइफ इकोलॉजी- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल बनेगी अन्य राज्यों के लिये वन संरक्षण का मॉडल

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्वैम्प डियर (बारहसिंगा) सहित कई प्रजातियों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए पुनर्वास एवं पुनर्प्रवेश कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वैज्ञानिक पद्धति से इन प्रजातियों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनः स्थापित करने का प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इन प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिये रीवाइल्डिंग की अभिनव पहल की गई है। रीवाइल्डिंग का उद्देश्य वाइल्डलाइफ इकोलॉजी को संतुलित कर लुप्त होती प्रजातियों को पुनर्जीवित करना, संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण करना और जैव विविधता को बढ़ावा देना है। प्रदेश में की गई यह पहल अन्य राज्यों के लिए वन संरक्षण का मॉडल बनेगी।

रीवाइल्डिंग का अर्थ है प्रकृति को उसकी मूल अवस्था में लौटाना। इसके लिये जंगलों में उन प्रजातियों को पुनः बसाया जाता है, जिनके बिना पारिस्थितिकी तंत्र अधूरा है। इसमें शिकारी प्रजातियों और शिकार प्रजातियों को शामिल किया जाता है। माना जाता है कि इन प्रजातियों के बिना जंगल का आहार-संतुलन बिगड़ता है और नेचुरल लाइफ साइकिल टूट जाती है। 'टाइगर स्टेट' कहलाने वाला मध्यप्रदेश जैव विविधता से समृद्ध है। इसके बावजूद कई प्रजातियाँ विलुप्ति की कगार पर हैं। प्रदेश के वनों में स्वैम्प डियर (बारहसिंगा) की संख्या लगातार घट रही है। साथ ही बाघ और तेंदुए का संतुलन भी प्रभावित हुआ है। विलुप्त होती प्रजातियों को समय रहते पुनर्स्थापित कर जंगलों के साथ प्राकृतिक संतुलन को बनाये रखा जा सकता है।

वन विभाग ने रीवाइल्डिंग को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना बनाई है। स्वैम्प डियर और अन्य प्रजातियों को पुनः प्राकृतिक आवास में बसाया जाएगा। केवल किसी एक जानवर पर नहीं, बल्कि पूरे जंगल में घास-भूमि और नदी के परिदृश्य पर ध्यान देकर जानवरों को बसाया जाएगा। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, वन अनुसंधान संस्थान और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी रीवाइल्डिंग के इस मिशन में सहयोग कर रहे हैं।

यूसीसी के दायरे में नहीं आएंगे आदिवासी, किरेन रिजिजू बोले- अपनी पारंपरिक व्यवस्था के अनुसार जिएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को स्पष्ट किया कि पूर्वोत्तर और अन्य क्षेत्रों के आदिवासियों को प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से बाहर रखा जाएगा ताकि वे अपनी पारंपरिक व्यवस्था के अनुसार स्वतंत्रता से जीवन जी सकें। आरएसएस से जुड़े वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कुछ लोग इंटरनेट मीडिया पर एक असामान्य माहौल बना रहे हैं और केंद्र सरकार के खिलाफ नैरेटिव गढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा- केंद्रीय मंत्री के रूप में मैं अपनी सरकार का दृष्टिकोण साझा करना चाहता हूं। हमारी सरकार और भाजपा संविधान के अनुसार समान नागरिक संहिता लाने पर विचार कर रही है। जब फौजदारी कानून सभी के लिए समान है तो नागरिक कानून भी सभी के लिए समान क्यों नहीं होना चाहिए?

रिजिजू ने कहा कि कुछ राज्यों ने इस दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया है, लेकिन आदिवासियों को इससे छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा- आदिवासियों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समान नागरिक संहिता अनुसूची-6, अनुसूची-5, पूर्वोत्तर और अन्य आदिवासी क्षेत्रों में लागू नहीं होगी।

प्राकृतिक आपदा की जद में हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू, नुकसान का आकलन करने के लिए टीमें गठित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुई भारी बारिश, बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनाओं के नुकसान का आकलन करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों (आईएमसीटी) का गठन किया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह टीमें स्थिति का आकलन करते हुए राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा करेंगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि गृह मंत्रालय ने गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर इन टीमों का गठन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों के लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए उनके साथ खड़ी है। आगामी सप्ताह की शुरुआत में केंद्रीय टीम उन जिलों का दौरा करेंगी जो वर्तमान मानसून के दौरान गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि पहले ही एक आईएमसीटी टीम हिमाचल प्रदेश का दौरा कर चुकी है।

असम में थाडू समुदाय के नेता की हत्या, मणिपुर में टीवी पत्रकार को मारी गोली; 6 उग्रवादी भी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में उग्रवादियों ने थाडू समुदाय के एक नेता की हत्या कर दी। उन्होंने हाल ही में जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति वार्ता में भाग लिया था। नेहकाम जोम्हाओ असम के थाडू लिटरेचर सोसायटी के अध्यक्ष थे। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार शाम करीब 7.30 बजे मांजा इलाके के चोंगहांग वेंग स्थित आवास से उनका अपहरण कर लिया गया था। बाद में उनकी हत्या की गई।

कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक संजीब सैकिया कहा कि छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों ने हत्या करने का बात स्वीकार कर ली है। हत्या के कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है। थाडू छात्र संघ के मुख्यालय ने इसे नृशंस हत्या बताया है और कहा है कि जोम्हाओ को शांति के लिए उनके साहसी फैसले के लिए निशाना बनाया गया।

टीवी पत्रकार को मारी गोली- जोम्हाओ छह अगस्त को इंफाल में आयोजित ऐतिहासिक शांति बैठक का हिस्सा थे, जहां थाडू जनजाति की संस्था थाडू इनपी मणिपुर ने मैतेयी संगठनों के साथ बातचीत की। मणिपुर संघर्ष शुरू होने के बाद यह पहली बार था कि थाडू समुदाय के प्रतिनिधियों ने मैतेयी बहुल इंफाल घाटी में प्रवेश किया था।

इस बीच पीटीआई के अनुसार मणिपुर के सेनापति जिले में शनिवार को एक टीवी पत्रकार को फूलों के त्योहार की कवरेज के दौरान गोली मार दी गई। उन्हें तीन गोलियां लगी हैं।

बाइकबोट घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन, 394 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने उत्तर प्रदेश में सामने आए बाइकबोट नामक कथित पोंजी घोटाले के सिलसिले में मनी लांड्रिंग के तहत 394 करोड़ रुपये से अधिक की नई संपत्तियां कुर्क की हैं। ये संपत्तियां कामाख्या एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, कामाख्या एजुकेशनल सोसाइटी, गुरु नानक चैरिटेबल ट्रस्ट, अल्पाइन टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी, एपी गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट और मीना आनंद नामक एक व्यक्ति के नाम पर हैं।

संपत्तियों का कुल मूल्य 394.42 करोड़ रुपये है। ईडी ने कहा, मौजूदा कुर्की में अचल संपत्तियां और संबंधित अपराध के समय 20.49 करोड़ रुपये (जिसका मूल्य 389.30 करोड़ रुपये है) मूल्य की गिरवी रखी गई जमीन, साथ ही 5.12 करोड़ रुपये की सावधि जमा राशि शामिल है।

यह मामला उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा कुछ निवेशकों द्वारा गर्वित इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड (जीआईपीएल), संजय भाटी और अन्य के खिलाफ की गई शिकायतों के आधार पर दर्ज की गई कई एफआईआर से उत्पन्न हुआ है।

पोंजी स्कीम से जुड़ी कंपनी और उसके प्रमोटर संजय भाटी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर बाइकबोट नाम से एक बाइक टैक्सी की आड़ में बेहद आकर्षक निवेश योजना पेश की थी। कंपनी ने विभिन्न शहरों में फ्रैंचाइजी भी आवंटित कीं, लेकिन इन शहरों में बाइक टैक्सी का संचालन मुश्किल से ही हुआ।

पुणे से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट की इमरजेंसी लैडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे से दिल्ली जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट की सोमवार सुबह अचानक तकनीकी खराबी के कारण वापस पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। एयरलाइन के मुताबिक, विमान को पूरी इमरजेंसी स्थिति में उतारा गया। फ्लाइट नंबर स्त937 सुबह 6 बजे पुणे से उड़ान भरने वाली थी, लेकिन 40 मिनट की देरी से प्लेन रवाना हुआ। इस फ्लाइट को सुबह 8.10 बजे दिल्ली पहुंचना था, लेकिन बीच रास्ते में समस्या आने पर वापस लौटना पड़ा। स्पाइसजेट ने बताया कि उड़ान के बाद विमान को सुरक्षित उतारा गया और सभी यात्रियों को सामान्य तरीके से नीचे उतारा गया।

इधर मोदी-पुतिन और चिनफिंग की मुलाकात, उधर अमेरिका को याद आई दोस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के तियानजिन शहर में चल रहे एससीओ शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर रही है। शिखर सम्मेलन में के दौरान दुनिया की तीन महाशक्तियों का मिलन देखने को मिला। पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति और चीन के राष्ट्रपति चिनफिंग की मुलाकात के बीच ही भारत में अमेरिकी दूतावास ने एक पोस्ट किया।

ये पोस्ट ऐसे समय पर आया है, जब चीन में एससीओ बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। इस ट्वीट की टाइमिंग से साफ है कि चीन में हो रहे शिखर सम्मेलन पर अमेरिका की बारीक नजर है। इस पोस्ट का कंटेंट भारत और अमेरिका के संबंधों के लिए निर्णायक है।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने किया पोस्ट- सोमवार को भारत में अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र अमेरिका और भारत के बीच साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। यह 21वीं सदी का एक निर्णायक रिश्ता है। पोस्ट में कहा गया कि यह हमारे और दोनों देशों के लोगों के बीच स्थायी दोस्ती ही है, जो इस यात्रा को एक नई ऊर्जा प्रदान कर रही है।

वहीं, इस पोस्ट अमेरिका के विदेश मंत्री का भी बयान संलग्न है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के लोगों के बीच गहरी दोस्ती हमारे संबंधों का आधार है।

बेहद अहम है पोस्ट की टाइमिंग- गौरतलब है कि भारत में अमेरिकी दूतावास द्वारा की गई इस पोस्ट की टाइमिंग बेहद अहम मानी जा रही है। ये पोस्ट उस वक्त सामने आया है, जब चीन में पीएम मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लदिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने गर्मजोशी के साथ मुलाकात की है। ये पोस्ट ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है।

चिनफिंग की कार से SEO Summit पहुंचे PM मोदी, पुतिन की गाड़ी से वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गहरी दोस्ती की तस्वीर आज चीन के तियानजिन शहर में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान देखने को मिली।

दरअसल, सोमवार को पीएम मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन स्थल तक पहुंचने के लिए शी चिनफिंग की पसंदीदा कार का इस्तेमाल किया। वहीं, पुतिन के साथ बख्तरबंद राष्ट्रपति वाहन में सवार को होकर द्विपक्षीय वार्ता के लिए रवाना हुए।

बेहद अहम रहा ये दृश्य- माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मास्को के साथ नई दिल्ली के तेल व्यापार पर टैरिफ लगाने के बीच एक दृश्य बयान है। बता दें कि इस फोटो को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि स्ष्ठह शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद, राष्ट्रपति पुतिन और मैं अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है।

किस कार का पीएम मोदी ने किया इस्तेमाल- बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन के लिए अपनी दो दिवसीय चीन यात्रा के दौरान चीन की होंगकी एल5 लिमोजीन का इस्तेमाल किया। बताया जाता है कि चीनी राष्ट्रपति भी इसी वाहन का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि यह कार शीर्ष चीनी नेताओं और चुनिंदा विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के लिए आरक्षित है।

पुतिन की कार से पीएम मोदी हुए रवाना- वहीं, इस शिखर सम्मेलन के समाप्त हो जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी आधिकारिक द्विपक्षीय बैठक के लिए उनकी रूस निर्मित उच्च-स्तरीय लिमोजिन कार ऑरस सेनेट में रवाना हुए। बता दें कि रूसी राष्ट्रपति इस वाहन को नियमित रूप से विदेश यात्राओं पर साथ लेकर जाते हैं।

बेहद अहम है पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ये द्विपक्षीय वार्ता बेहद अहम मानी जा रही है। बता दें कि ये वार्ता ऐसे समय पर हुई, जब अमेरिका ने रूस के साथ भारत के तेल व्यापार की सार्वजनिक रूप से निंदा की है।

भारत पर ट्रंप ने लगाया है 50 प्रतिशत टैरिफ- गौरतलब है कि पिछले महीने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऊर्जा खरीद के लिए अमेरिका जाने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। बता दें कि उन्होंने एशिया में सबसे अधिक टैरिफ भारत पर ही थोपा है।

बावजूद इसके भारत ने रूस के साथ अपना व्यापार बंद नहीं किया। भारत ने स्पष्ट कहा कि उसकी ऊर्जा आयात नीतियों का मार्गदर्शन उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा किया जाएगा।

दिसंबर में इस पड़ोसी मुल्क में शुरू होगा चुनाव, निगरानी के लिए भारत भेजेगा टीम; चार साल जारी है सेना का शासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। युद्धग्रस्त म्यांमार में इस साल दिसंबर में चुनाव होने को हैं। पड़ोसी मुल्क में होने वाले इस आम चुनाव की निगरानी के लिए भारत अपनी टीमें भेजेगा। इस बात का दावा म्यांमार की सरकारी मीडिया ने सोमवार को किया।

दरअसल, चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और म्यांमार के सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग की मुलाकात हुई। ये मुलाकात कई मायनों में खास रही।

दोनों के बीच किन मुद्दों पर हुई चर्चा- सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार ने बताया कि बैठक में उन्होंने दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने, व्यापार संवर्धन, मैत्री और सहयोग बढ़ाने के उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

बता दें कि करीब 4 साल पहले नोबल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार को चुनावी धोखाधड़ी के बहाने के बेदखल कर दिया गया। इसके बाद म्यांमार में गृह युद्ध छिड़ गया।

इस साल दिसंबर में होने हैं आम चुनाव- बता दें कि म्यांमार में इसी साल 28 दिसंबर को चुनाव होने हैं। बताया जा रहा है कि उस मतदान का हिस्सा है जिसे एक सैन्य समर्थित अंतरिम प्रशासन देश भर में 300 से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में कराना चाहता है। इसमें मुख्य विपक्षी सशस्त्र समूह के कब्जे वाले इलाके भी शामिल हैं।

शहबाज का बना मजाक, SCO समिट में पुतिन के सामने हो गए पूरी तरह नर्वस; कहा- कोई मेरी मदद करो

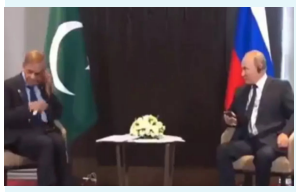

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंघाई को ऑपरेशन समिट 2025 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन में हैं। चीन में उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की और भारत-चीन रिश्तों को मजबूत करने पर बात की। इस समिट में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी शामिल हुए। लेकिन शहबाज शरीफ का नाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई बार विवादों और अजीबोंगरीब घटनाओं से जुड़ा रहा है।

2022 में उज्बेकिस्तान में SCO समिट के दौरान शहबाज शरीफ एक अलग ही वजह से चर्चा में आ गए थे। जब वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिल रहे थे, तब उनका ट्रांसलेशन हेडफोन बार-बार गिर रहे थे।पुतिन खुद भी इस पर हंसी नहीं रोक पाए थे। शरीफ कई बार मदद मांगते नजर आए और बोले- क्या कोई मेरी मदद करेगा? यह वीडियो रूस की सरकारी एजेंसी RIA नोवोस्ती ने जारी किया और सोशल मीडिया पर यह खूब वायरल हो गया। पाकिस्तान के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी ने समिट की तस्वीर साझा की और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के नेताओं जैसे बिलावल भुट्टो, मिफ्ताह इस्माइल और ख्वाजा आसिफ के बेबस चेहरे पर तंज कसा।

सामने से निकले पीएम मोदी और पुतिन, टकटकी लगाए रह गए शहबाज शरीफ

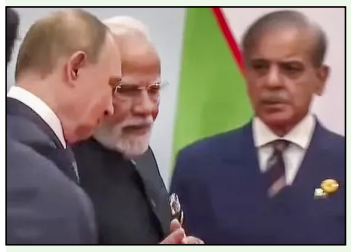

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय चीन की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। आज पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। पीएम मोदी ने आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति और चीन के राष्ट्रपति के इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी रहीं।

इस बीच एक बड़ा ही दिलचस्प नजारा सामने आया है। दरअसल, पाकिस्तान भी एससीओ का हिस्सा है, ऐसे में पाकिस्तानी पीएम सहबाज शरीफ भी इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। इस दौरान हाल में वह भी मौजूद थे, लेकिन इस दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसकी उनको भी उम्मीद ना थी।

सोमवार को पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन एक दूसरे से बात करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान शहबाज शरीफ हाथ बांधे हुए एक कोने में खड़े दिखे। सबसे ध्यान देने वाली बात है कि पाकिस्तानी पीएम से ना कोई बात का रहा था और ना ही कोई उनके आपपास खड़ा था। जब पीएम मोदी रूसी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आगे बढ़ रहे थे, पाकिस्तान के पीएम केवल टकटकी लगाए देखते रह गए। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

पुतिन-चिनफिंग से PM मोदी की मुलाकात पर अमेरिका को लगी मिर्ची, ट्रंप के चेले ने उगला जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद उनके सलाहकार पीटर नेवारो का भी बड़बोलापन दुनिया के सामने आ गया है। भारत ने अमेरिका की शर्तों के सामने घुटने नहीं टेके, तो अब पीटर नेवारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

पीटर नेवारो को अचानक भारतीयों की चिंता सताने लगी और उन्होंने ट्रंप के टैरिफ को जातीय एंगल दे दिया। उनका कहना है कि रूस से तेल खरीदने के पीएम मोदी के फैसले से सिर्फ ब्राह्मणों को मुनाफा हो रहा है।

ट्रंप के सलाहकार का बयान- पीटर का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का फायदा उठाकर भारत, रूस से सस्ते दाम पर तेल खरीद रहा है और उसे रिफाइन करके यूरोप समेत अन्य देशों में बेचा जा रहा है। पीटर के अनुसार,सरकार के इस फैसले से भारतीयों की कीमत पर ब्राह्मण मुनाफा कमा रहे हैं।

पीटर नेवारो के अनुसार, भारत, क्रेमलिन के लिए लॉन्ड्रोमैट बन गया है। भारतीयों की कीमत पर ब्राह्मणों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। हमें इसे रोकना होगा।

पुतिन-चिनफिंग से मुलाकात पर उठाए सवाल- पीटर ने दावा किया है कि भारत के पैसों से रूस अपने युद्ध के खर्चे पूरे कर रहा है, जिससे बड़ी संख्या में यूक्रेनी नागरिक मारे जा रहे हैं। यही नहीं, पीटर ने ट्रंप के टैरिफ का भी समर्थन किया है।

पीटर का कहना है, प्रधानमंत्री मोदी महान नेता हैं। मगर, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेता होने के बावजूद वो पुतिन और शी चिनफिंग से क्यों घुल-मिल रहे हैं?

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्ष्ठह शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन के तियानजिन गए हैं। सम्मेलन से पहले पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की है।

कोल्ड वॉर और धमकियां नहीं चलेंगी..., SCO समिट में चीन की ट्रंप को खरी-खरी; क्या बोले राष्ट्रपति चिनफिंग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के तियानजिन शहर में दुनिया के कई बड़े नेताओं का जमावड़ा लगा है। SCO शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग एक ही मंच पर नजर आए। इस सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। वहीं, SCO के मंच से चीनी राष्ट्रपति ने डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा संदेश दिया है।

शी चिनफिंग ने साफ कहा है कि अब कोल्ड वॉर या किसी भी तरह की कोई धमकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शी चिनफिंग ने SCO के सभी सदस्यों से साझा हितों पर काम करने की अपील की है।

चिनफिंग ने दिया ट्रंप को करारा जवाब- चीनी समाचार चैनल ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति ने कहा, शंघाई सहयोग संगठन के सभी सदस्यों ने इस संगठन के विकास में अहम भूमिका निभाई है। आज इसकी गिनती दुनिया के सबसे बड़े संगठनों में होती है।

शी चिनफिंग ने कहा- हमें कोल्ड वॉर की मानसिकता का विरोध करना होगा।

यहां टकराव और धमकियों की कोई जगह नहीं है।

ट्रंप के टैरिफ पर साधा निशाना- चीनी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोज किसी न किसी देश को टैरिफ की धमकी देते नजर आते हैं। अमेरिकी अदालत ने भी ट्रंप के टैरिफ को गैरकानूनी करार दिया है। ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने का हवाला देकर भारत पर भी 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है।

पुतिन ने जमकर की भारत और चीन की तारीफ, यूक्रेन में तख्तापलट पर दे दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के तियानजिन शहर में एससीओ शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आज इस शिखर सम्मेलन का दूसरा और आखिरी दिन है। एससीओ सम्मेलन को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संबोधित किया।

अपने संबोधन के दौरान रूसी राष्ट्रपति ने यूक्रेन संकट को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी अलास्का बैठक के विवरण द्विपक्षीय बैठकों के दौरान नेताओं को बताएंगे।

यूक्रेन में तख्तापलट पर दे दिया बड़ा बयान- इसके साथ ही रूस के रुख को दोहराते हुए राष्ट्रपति पुतिन के कहा कि यूक्रेन में संकट आक्रमण के परिणामस्वरूप नहीं, बल्कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों द्वारा समर्थित कीव में तख्तापलट के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ है।

उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन में हुई सहमति ने यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त किया है। तियानजिन शहर में आयोजित इस शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि एससीओ के भीतर संवाद पुराने यूरोकेंद्रित और यूरो-अटलांटिक मॉडलों की जगह एक नई यूरेशियन सुरक्षा प्रणाली की नींव रखने में मदद करता है।

सत्र में सदस्य देशों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि एससीओ अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक बात करता है।

सांवले रंग के कारण पत्नी को तेजाब डालकर जलाया, पति को कोर्ट ने सुनाई मौत की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक शख्स ने अपनी पत्नी को केवल इसलिए मार दिया क्योंकि वह सांवली थी और उसका वजन काफी ज्यादा था।

दरअसल, उसका पति इस बात को लेकर हमेशा उससे लड़ता था। लक्ष्मी नाम की इस महिला को उसका पति किशन अक्सर उसके साँवले रंग को लेकर ताना मारता था।

सांवले रंग के कारण पत्नी को उतारा मौत के घाट- बता दें कि एक रात उस शख्स ने अपनी पत्नी से कहा कि वह एक दवा लाया है, जिसको शरीर में लगाने के बाद वह गोरी हो जाएगी। जब उसने शरीर पर लगाना शुरू किया, तो पत्नी ने कहा कि इसमें से कोई गंध आ रही है। बावजूद इसके वह शरीर में लगाता रहा।

इसके बाद शख्स ने अपनी पत्नी के पेट के पास अगरबत्ती जलाई, इसे महिला की शरीर में आग लग गई और उसकी मौत हो गई। जिस दौरान महिला की शरीर जल रही थी, उस दौरान शख्स ने बची हुई दवा उसके शरीर पर डाल दी।

इस प्रकरण के संबंध में उदयपुर के वल्लभनगर थाने में आरोपी किशन केस दर्ज किया गया है। इसके बाद किशन को अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। इस मामले में सरकारी वकील दिनेश पालीवाल बताते हैं कि आरोपी अपनी पत्नी को उसके सांवले रंग के लिए डांटता था और इसी कारण उसने महिला के शरीर पर तेजाब डालकर आग लगा दी। इससे पहले गंभीर रूप से घायल हो गई फिर उसकी मौत हो गई।

इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय के जज ने कहा कि आजकल ऐसे मामले बहुत हो रहे हैं और समाज में अदालत का डर बनाए रखने के लिए ही उस व्यक्ति को मौत की सजा दी गई है।

एजुकेट गर्ल्स को मिलेगा रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, सम्मान पाने वाली होगी पहली भारतीय संस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लड़कियों की शिक्षा के लिए काम करने वाली भारतीय संस्था एजुकेट गर्ल्स को वर्ष 2025 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेताओं में शामिल किया गया है। एशिया का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय संस्था बनकर इसने इतिहास रच दिया है। यह संस्था दूरदराज के गांवों में स्कूल न जाने वाली लड़कियों की शिक्षा के माध्यम से सांस्कृतिक रूढ़िवादिता को दूर करने का प्रयास करती है। साथ ही, उन्हें निरक्षरता के बंधन से मुक्त करने और अपनी पूर्ण मानवीय क्षमता प्राप्त करने के लिए कौशल, साहस और क्षमता प्रदान करने के उद्देश्य से भी काम करती है। एजुकेट गर्ल्स पहली भारतीय संस्था है, जिसे इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह संस्था लड़कियों की शिक्षा के लिए काम करती है। दो अन्य विजेताओं में मालदीव की शाहिना अली और फिलीपींस के विलानुएवा को भी चुना गया है। इस उपलब्धि पर एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक सफीना हुसैन कहती हैं, यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। अगले दशक में एक करोड़ शिक्षार्थियों तक पहुंचने और इस योजना को भारत से परे ले जाने के लिए काम करते हुए हम उस सत्य को प्रसारित करते हैं कि जब एक लड़की शिक्षित होती है तो वह औरों को भी शिक्षित करती है जिससे परिवारों, पीढ़ियों और राष्ट्रों में बदलाव आता है।

आप से मिलकर हमेशा खुशी होती है..., ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच गले लगे मोदी-पुतिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 साल बाद चीन के दौरे पर हैं। बीते दिन पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी चिंगफिन से मुलाकात की थी। वहीं, आज चीन से आखिरकार वो तस्वीरें सामने आ गई हैं, जिसका पूरी दुनिया को बेसब्री से इंतजार था। स्ट्रह शिखर सम्मेलन से पहले पीएम मोदी, शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक मंच पर नजर आए। पीएम मोदी को देखते ही पुतिन ने उन्हें गले लगा लिया। दोनों नेताओं की हाथ मिलाते और गले लगते हुए तस्वीरें सामने आई हैं। पीएम मोदी ने खुद यह तस्वीरें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की हैं।

पीएम मोदी ने शेयर की तस्वीरें- रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए पीएम मोदी ने कैप्शन में लिखा, राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर हमेशा खुशी होती है। यह तस्वीरें ऐसे समय सामने आई हैं, जब रूस से तेल खरीदने का हवाला देकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी की मुलाकात के अलावा चीन के तियानजिन से कुछ और तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें तीन बड़े देशों भारत, चीन और रूस के नेता एक-साथ बात करते दिखाई दे रहे हैं।

धर्मस्थल मामले में SIT के हाथ लगे अहम सबूत, अगले हफ्ते तक कोर्ट में पेश हो सकती है रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु स्थित धर्मस्थल परिसर में मिले कंकालों से पूरे देश में हड़कंप मच गया है। धर्मस्थल में मर्डर, रेप और शवों की कहानी पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। इसी बीच पुलिस को कुछ अहम सबूत हाथ लगे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, शिकायतकर्ता सीएन चिन्नय्या SIT की हिरासत में है। चिन्नय्या के बयान के आधार पर पुलिस ने कई जगहों की तलाशी भी ली है। SIT ने बैंक के लेन-देन, प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज और कम्युनिकेशन रिकॉर्ड्स इकट्ठा कर लिए हैं। पुलिस सुत्रों का कहना है, चिन्नय्या जांच में पूरा सहयोग कर रहा है। उसने कुछ बैठकों और लेन-देन की जानकारी भी पुलिस से साझा की है। पुलिस फोरेंसिक और तकनीकी की मदद से इन जानकारियों के सबूत जुटा रही है।

SIT चिन्नय्या को लेकर बेल्तांगढी भी गई थी। चिन्नय्या से पूछताछ जारी है, जिसके आधार पर SIT अगले हफ्ते तक कोर्ट में रिपोर्ट पेश कर सकती है। बता दें कि चिन्नय्या ने धर्मस्थल में दो दशक पहले महिलाओं समेत कई शवों को दफनाने का दावा किया था। महिलाओं के शवों पर यौन उत्पीड़न के निशानों का भी दावा किया गया है। चिन्नय्या के बयान के बाद यह मामला विवादों में घिर गया, जिसकी जांच SIT को सौंपी गई है।

2 अन्य जगहों पर मिले कंकाल- मामले की जांच के लिए कर्नाटक सरकार ने SIT का गठन किया है। जांच के दौरान पुलिस को 2 जगहों से कंकाल भी बरामद हुए हैं। वहीं, चिन्नय्या ने भी एक कंकाल की खोपड़ी पुलिस को सौंपी है, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

हथियार के दम पर पेट्रोल पंप से एक लाख की लूट, विरोध करने पर कर्मचारी के साथ मारपीट

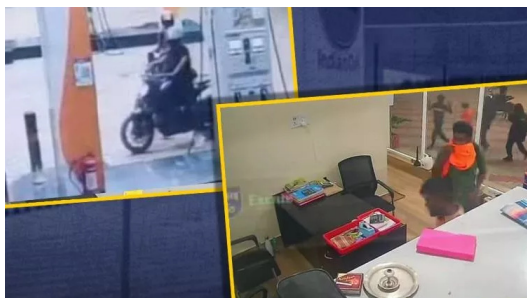

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिला का बलरामपुर थाना क्षेत्र का अंतर्गत मालती गांव के पास 18 नंबर नेशनल हाईवे के करीब स्थित हीरालाल फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप में रविवार रात को डकैती का घटना हुई। इस घटना में डकैतों ने पेट्रोल पंप के कैश काउंटर में जाकर आग्नेयास्त्र दिखाकर 1 लाख से ज्यादा रुपया लूट किया है।

पेट्रोल पंप का कर्मचारी सोनू सिंह सरदार ने डैकतों को रोकने का प्रयास किया तो उसके साथ डकैतों ने जमकर मारपीट की, जिससे सोनू घायल हो गया। डकैती के घटना पेट्रोल पंप का सीसी कैमरा में कैद हो गई।

5 डकैतों ने दिया डकैती को अंजाम- जानकारी के अनुसार, पेट्रोल पंप के कर्मचारी सोनू सिंह सरदार ने मीडिया को बताया है दो बाइक में कुल 5 डकैतों ने कस्टमर बनकर आए, इसके बाद आग्नेयास्त्र दिखाकर सभी को हाथ ऊपर करने के लिए बोला, उन्होंने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया, जिसके कारण वह घायल हो गया। इसके बाद डकैतों ने पेट्रोल पंप का कैश काउंटर से सभी रूपया लूट लिया।

एक लाख रुपए लूटकर भागे डकैत- पेट्रोल पंप का प्रबंधन ने पुलिस के पास शिकायत में कहा है डकैत कैश काउंटर से 1 लाख से ज्यादा रुपया लेकर जमशेदपुर की दिशा की ओर भाग गए। इस घटना के बाद पुलिस में घटनास्थल में जाकर पेट्रोल पंप का घायल कर्मचारी सोनू सिंह सरदार को लेकर बलरामपुर वांशगढ़ ग्रामीण हॉस्पिटल में भर्ती कराया है, हालत गंभीर होने के कारण उनको दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

डकैती की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच करके बदमाशों का पता लगाने में जुटी है।

क्या अब विदेशी हमें बताएंगे?, E20 पर केंद्र सरकार की बात सुनते ही सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 2025-26 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल के साथ पेट्रोल बनाने का लक्ष्य रखा है। सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि कोई विदेशी हमें नहीं बताएगा कि पेट्रोल कैसे इस्तेमाल करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों खारिज की याचिका- केंद्र सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखा। याचिका की सुनवाई शुरू होते ही जब अटॉर्नी जनरल ने पीठ को बताया कि याचिकाकर्ता वास्तव में इंग्लैंड का है, जिसने एथेनॉल से पेट्रोल बनाने पर आपत्ति दर्ज की है। यह सुनते ही पीठ ने यह याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट शादान फरासैट ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए 2021 की नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2023 से पहले बने पुराने वाहनों में एथेनॉल-20 (E20) से बने पेट्रोल का इस्तेमाल होगा।

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कोर्ट में दलील देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता किसी लॉबी का हिस्सा हो सकता है। E20 से गन्ना किसानों को सीधा फायदा होगा और देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी बचा रहेगा।

कई लोगों का मानना है कि E20 से बना पेट्रोल कार और ऑटो के इंजन और माइलेज पर असर डाल सकता है। साथ ही गाड़ी खराब होने का खतरा रहेगा।

हालांकि, सरकार का कहना है कि E20 ब्लेंड पेट्रोल इस्तेमाल करने से न सिर्फ प्रदूषण कम होगा बल्कि पैसों की भी बचत होगी। साथ ही इससे वाहन की क्षमता में भी इजाफा होगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

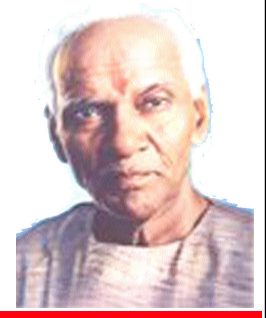

विक्रम संवत 2079 शुक्ल दशमी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर प्रकृति ने मानव को अनेक उपहार दिए हैं

वैश्विक स्तरपर प्रकृति ने मानव को अनेक उपहार दिए हैं, जिनमें पेड़-पौधे, फल-फूल और जल हमारे अस्तित्व का आधार हैं। इन्हीं उपहारों में नारियल एक ऐसा फल है जिसे जीवन वृक्ष कहा जाता है। यह केवल एक खाद्य पदार्थ ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन के लिए उपयोगी संसाधन है। नारियल का पेड़, उसका फल,जटा, पत्तियाँ, लकड़ी,सब कुछ मानव सभ्यता को पोषण, आश्रय, औषधि और रोजगार प्रदान करता है।आज मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बातें इसलिए कर रहा हूं क्योंकि नारियल के महत्व को रेखांकित करने के लिए हर वर्ष 2 सितंबर 2025 को विश्व नारियल दिवस मनायाजा रहा है। 2009 में एशिया-प्रशांत नारियल समुदाय के गठन के बाद से इस दिवस की शुरुआत हुई। यह संगठन विश्व के उन देशों का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ नारियल की खेती बड़े पैमाने पर होती है। आज विश्व नारियल दिवस केवल एक कृषि पर्व नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक आंदोलन बन चुका है।नारियल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नारियल उत्पादकों और उपभोक्ताओं को जोड़ना, किसानों को सशक्त बनाना और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना है। एपीसीसी का गठन 2 सितंबर 2009 को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में हुआ था। इसमें भारत, श्रीलंका, फिलीपींस, इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, मलेशिया, पापुआ न्यू गिनी और फिजी जैसे देश शामिल हैं।यह संगठन किसानों को आधुनिक खेती तकनीक, फसल संरक्षण, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँच प्रदान करने में सहायक है।विश्व स्तरपर लगभग 12 करोड़ किसान परिवार नारियल की खेती पर निर्भर हैं।फिलीपींस, इंडोनेशिया और भारत मिलकर विश्व का लगभग 70 पर्सेंट नारियल उत्पादन करते हैं। नारियल तेल, कोयर, फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन, औषधियाँ और पेय पदार्थ अरबों डॉलर के वैश्विक व्यापार का हिस्सा हैं, जो दर्शाता है कि नारियल केवल एक स्थानीय फसल नहीं बल्कि एक वैश्विक वस्तु है।

साथियों बात अगर हम भारत में नारियल को केवल एक फल नहीं बल्कि श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक मानने की करें तो, इसे श्रीफल कहा जाता है,जिसका अर्थ हैसमृद्धि देने वाला फल।भारतीय धार्मिक परंपराओं में बिना नारियल के कोई भी पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती। गणेश पूजा में नारियल अनिवार्य होता है, क्योंकि यह विघ्नहर्ता के आशीर्वाद का प्रतीक है।दक्षिण भारत में विवाह, गृहप्रवेश और मंदिरों की पूजा में इसका विशेष महत्व है। बौद्ध और जैन धर्म में भी नारियल को पवित्रता और शांति का प्रतीक माना गया है।नारियल के कठोर खोल को अहंकार और वासनाओं का प्रतीक माना जाता है, जिसे फोड़ने पर शुद्ध गूदा और जल प्राप्त होता है। यह आत्मा की पवित्रता और ईश्वर से एकत्व का प्रतीक है।मंदिरों में नारियल चढ़ाने की परंपरा केवल भारत तक सीमित नहीं है। नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड और बाली (इंडोनेशिया) जैसे देशों में भी यह परंपरा देखने को मिलती है। दक्षिण भारत के मंदिरों में नारियल फोड़ना आत्मसमर्पण का प्रतीक है और इससे जुड़े छोटे-छोटे कारोबार हजारों लोगों को रोज़गार भी उपलब्ध कराते हैं। बौद्ध भिक्षु प्रार्थना के समय नारियल जल अर्पित करते हैं। इस प्रकार, नारियल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से लोक और परलोक दोनों से जुड़ा हुआ है।

वीर तेजाजी

वीर तेजाजी जिन्हें तेजाजी महाराज या केवल तेजाजी के नाम से भी जाना जाता है , राजस्थान में एक महान योद्धा, समाज सुधारक, गौ रक्षक और लोक देवता थे। उत्तरी राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में उन्हें एक देवता के रूप में पूजा जाता है और उन्हें भगवान शिव के ग्यारह प्राथमिक अवतारों में से एक माना जाता है। उन्हें मुख्य रूप से राजस्थान , मध्य प्रदेश , हरियाणा , उत्तर प्रदेश और गुजरात राज्यों में पूजा जाता है । उन्हें आमतौर पर राजस्थान में सांपों के देवता के रूप में जाना जाता है , क्योंकि यह सांप के काटने से बचाता है या धौलिया वीर के रूप में भी पूजा जाता है ।

प्रारंभिक जीवन

वीर तेजाजी का जन्म 29 जनवरी 1074 को राजस्थान के नागौर जिले के खरनाल गांव में ताहर देव, धौलिया जाट , सरदार , नागौर और राम कुंवारी के परिवार में हुआ था ।

इतिहासकारों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि तेजाजी की माता रामकुंवरी ने नागराजा से वरदान प्राप्त कर एक बालक को जन्म दिया, जिसका नाम तेजाजी रखा गया। उनके माता-पिता भगवान शिव के उपासक थे।

कहानी

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में, परंपरा के अनुसार, ज्येष्ठ माह में मानसून की पहली बारिश के बाद, सरदार तेजाजी को खेतों की जुताई शुरू करनी होती थी । ÷हलसोटिया÷ नामक इस अनुष्ठान का बहुत महत्व था। तेजाजी ने इस कर्तव्य को अटूट संकल्प के साथ अपनाया, मिट्टी को पलटने और सदियों पुरानी परंपराओं का सम्मान करने के लिए तत्पर रहे।

भाभी के ताने और पेमल की तलाश

तेजाजी की माँ ने उनसे हल चलाने का आग्रह किया, जिसे हलसोटिया के नाम से जाना जाता है, क्योंकि उनके पिता और भाई किसी काम के कारण गाँव से बाहर गए थे। इसलिए, तेजाजी ने अपने खेतों की जुताई शुरू कर दी और उनकी भाभी जुताई के दौरान खेतों में उन्हें भोजन लाने के लिए जिम्मेदार थीं (स्थानीय रूप से ÷छाक÷ के रूप में जाना जाता है), एक दिन वह देर से पहुंची। निराश होकर, तेजाजी का गुस्सा भड़क उठा जब उसने उनकी पत्नी की अनुपस्थिति के बारे में उन्हें ताना मारा- पेमल (तेजाजी की पत्नी) अभी भी अपने पिता के घर पर थी। इस कथित शर्म को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्पित, तेजाजी ने अपनी पत्नी को उसके ससुराल से वापस लाने का संकल्प लिया। पेमल को वापस लाने से पहले, तेजाजी को एक और कार्य का सामना करना पड़ा- अपनी बहन राजल के साथ पुनर्मिलन। पेमल ने अनुरोध किया था कि राजल उसका स्वागत करने के लिए वहां मौजूद रहे।

मीणाओं के साथ युद्ध

जब तेजाजी अपनी बहन राजल को वापस लाने के लिए जा रहे थे, तो रास्ते में उनका सामना कुछ मीणा डाकुओं से हुआ। लड़ाई में तेजाजी विजयी हुए और अपनी बहन के पति से राजल को खरनाल वापस लाने की अनुमति लेकर अजमेर के तबीजी की ओर चल पड़े ।

पनेर की यात्रा

जब तेजाजी अपने ससुराल पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि उनकी सास गायों का दूध दुहने में व्यस्त थीं। लीलण घोड़ी पर सवार उनके प्रवेश से पशु चौंक गए और उनकी शांतिपूर्ण दिनचर्या में खलल पड़ गया। दुर्भाग्य से, उनकी सास उन्हें पहचान नहीं पाईं क्योंकि तेजाजी का विवाह पेमल से तब हुआ था जब वे केवल नौ महीने के थे। तेजाजी की सास ने तेजाजी को श्राप दिया था कि उनकी गायों को परेशान करने पर उन्हें एक काला साँप डस लेगा।

तेजाजी का क्रोध भड़क उठा और उन्होंने पेमल के बिना ही खरनाल लौटने का निश्चय कर लिया । हालाँकि, पेमल अपनी माँ की इस प्रतिक्रिया से दुखी थी और उसने अपने पिता और भाई से तेजाजी को रोकने का अनुरोध किया। पेमल की सहेली लाछा गूजरी आगे आई और उसने तेजाजी को पेमल की पीड़ा सुनाई। इसके बाद तेजाजी लाछा गूजरी के घर रुके, जहाँ उनकी पहली मुलाकात पेमल से हुई।

लच्छा गाय घटना

जब तेजाजी और पेमल लाछा के घर में आपस में बात कर रहे थे, तभी लाछा गूजरी की दस्तक सुनाई दी। लाछा ने तुरंत तेजाजी को बताया कि चांग के मीणाओं ने उसकी सारी गायें चुरा ली हैं और तेजाजी से मदद की गुहार लगाई। बिना किसी हिचकिचाहट के, तेजाजी अपनी लीलण पर सवार होकर अकेले ही उन डाकुओं का सामना करने के लिए निकल पड़े जिन्होंने लाछा की गायें चुरा ली थीं।

जब तेजाजी डाकुओं से लड़ने जा रहे थे, तो बासक नाग नामक एक साँप आग में जल रहा था, और तेजाजी ने उसे जलने से बचाया। उस साँप ने उन्हें श्राप दिया और डसने की इच्छा जताई। तेजाजी ने आश्वासन दिया कि वे लाछा की गायें वापस लेकर लौटेंगे। इसके बाद, तेजाजी ने सुरसुरा से लगभग 15 किलोमीटर दूर चांग घाटी में मीणाओं से युद्ध किया। इस युद्ध में उन्होंने सभी 350 मीणाओं को मार डाला और लाछा गूजरी की गायें वापस ले लीं।

तेजाजी ने लाछा में गायें लौटाने के बाद, खुद को सांप बासक नागा के सामने पेश किया और सांप से अपने शरीर पर डंसने के लिए कहा। बासक नागा को तेजाजी के शरीर पर कोई भी खुला स्थान नहीं मिला, और तब तेजाजी ने उसे अपनी जीभ पर डंसने के लिए कहा। बासक नागा ने तेजाजी को वरदान दिया कि वह कलयुग के देवता होंगे और उनकी पूजा की जाएगी। इसीलिए तेजाजी को वचन का पुरुष भी कहा जाता है। तेजाजी की मृत्यु भाद्रपद शुक्ल दशमी शनिवार, वि.सं. 1160, या 28 अगस्त 1103 को 29 वर्ष की आयु में हुई। तेजाजी की शहादत की तिथि को तेजा दशमी के रूप में मनाया जाता है।

तेजाजी को साँपों के देवता के रूप में भी जाना जाता है, इस वजह से जब किसी को साँप काट लेता है, तो तेजाजी मंदिर जाकर तेजाजी से आशीर्वाद लेने की रस्म होती है। साँपों के देवता कहे जाने के अलावा, तेजाजी गायों के एक महान रक्षक भी थे।

तेजा दशमी राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला एक त्यौहार है। यह अवसर तेजाजी के जीवन और बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्हें लोक-देवता के रूप में पूजा जाता है और सत्य और वचन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए सराहा जाता है।

सितंबर 2011 में, भारतीय डाक ने तेजाजी की छवि वाला एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। बाद में, राजस्थान सरकार ने राजस्थान राज्य वीर तेजाजी किसान कल्याण बोर्ड का गठन किया, जिसमें एक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष सहित सात सदस्य होते हैं। बोर्ड का कार्य किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की समीक्षा करना और उनके पिछड़ेपन को दूर करने के उपाय सुझाना है।

तेजाजी के जीवन को सांस्कृतिक माध्यमों में भी दर्शाया गया है। 1980 के दशक में ÷वीर तेजाजी÷ नामक एक राजस्थानी फिल्म का निर्माण किया गया था। नवंबर 2023 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक देवता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजस्थान के नागौर के खरनाल गाँव स्थित तेजाजी मंदिर का दौरा किया ।

तेजाजी ने राजस्थान के अजमेर ज़िले के पनेर गाँव के सरदार रायमल की पुत्री पेमल से विवाह किया। विवाह के समय उनकी आयु मात्र नौ महीने थी, जबकि पेमल छह महीने की थीं। उनका विवाह 1074 में पुष्कर पूर्णिमा के दिन पुष्कर घाट पर हुआ। जब तेजाजी ने गायों के लिए अपने प्राण त्याग दिए, तब उनकी पत्नी पेमल और उनकी बहन राजल ने सती प्रथा का पालन किया।

जिसने सिखाया रील बनाना, उस TikTok की भारत में वापसी? कंपनी ने निकाली बंपर वैकेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस एप ने दुनिया को शॉर्ट वीडियो और रील बनाना सिखाया, वही एप एक बार फिर भारत में एंट्री के लिए तैयार है। चाइनीज़ एप टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाईडांस ने गुरुग्राम ऑफिस के लिए अलग-अलग पदों पर वैकेंसी निकाली है।

इनमें एचआर, कस्टमर सपोर्ट, बंगाली भाषी कंटेंट मॉडरेटर, नेपाली भाषा के स्पीकर, ऑपरेशन एनालिस्ट अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम- ट्रस्ट एंड सेफ्टी और वेलबीइंग पार्टरनशिप एंड ऑपरेशन जैसी नौकरियां शामिल हैं। इसकी जानकारी कंपनी ने लिंक्डइन पोस्ट के जरिए दी।

खास बात यह है कि कंपनी ने वैकेंसी ऐसे समय निकाली हैं, जब पीएम नरेंद्र मोदी चीन दौरे पर हैं और राष्ट्रपति शी चिनफिंग से द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा कर रहे हैं।

हालांकि, भारत सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि साल 2020 में लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का कोई भी आदेश जारी नहीं किया गया है। और सभी चाइनीज़ एप भारत में अब भी बैन हैं। लेकिन ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर टिकटॉक के लिए भारत क्यों जरूरी है?

भारत में जब TikTok पर पाबंदी लगाई गई थी, तब देश में उसके यूजर 20 करोड़ से ज्यादा थे। भारत कंपनी का दूसरा सबसे बड़ा मार्केट था। इसके अलावा भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट बाजार है। यहां यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स का क्रेज अब भी बरकरार है।

TikTok के बैन होने के बाद इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और कई इंडियन ऐप्स जैसे स्न्द्ध और छ्वश्नह्यद्ध ने बाजार पर कब्जा किया। लेकिन ञ्चद्बद्मञ्जश्वद्म जानता है कि भारतीय यूजर बेस के बिना उसकी पकड़ अधूरी है। यही वजह है कि टिकटॉक भारत में फिर से जगह बनाने की तैयारी कर रहा है।

दुनिया में 120 करोड़ से ज्यादा हैं यूजर्स

आज TikTok के दुनिया भर में 120 करोड़ से ज्यादा एक्टिव यूजर हैं। अमेरिका, यूरोप और एशिया के कई देशों में इसकी धाक है। लेकिन भारत के 60 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स उसके लिए एक सुनहरा मौका हैं।

भारत सरकार ने साल 2020 में सुरक्षा और डेटा प्राइवेसी को लेकर ञ्चद्बद्मञ्जश्वद्म समेत 58 चीनी एप्स पर रोक लगाई थी। अगर कंपनी अब भारत आना चाहती है तो उसे इन मसलों का हल निकालना ही होगा। डेटा लोकलाइजेशन और सरकार की शर्तों को मानना उसकी पहली प्राथमिकता होगी।

वित्तीय लक्ष्यों के साथ म्यूचुअल फंड में कैसे निवेश किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों से घरेलू निवेशकों का भरोसा भारतीय बाजार पर बढ़ा है, जिसकी वजह से लोग लगातार म्यूचुअल फंड के जरिए स्ढ्ढक्क कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश के कई विकल्प हैं, जैसे इक्विटी, डेट, गोल्ड और हाइब्रिड। लेकिन निवेशकों के लिए इक्विटी का विकल्प काफी आकर्षक रहा है, जहां उन्हें ज्यादा रिटर्न की उम्मीद होती है। वैसे, बाकी फंड की तुलना में इक्विटी फंड अधिक जोखिम भरा होता है। इसलिए, निवेशक अपनी वित्तीय स्थिति और उम्र को ध्यान में रखकर एक सही म्यूचुअल फंड चुन सकते हैं, ताकि वित्तीय लक्ष्यों को पूरा किया जा सके।

वित्तीय लक्ष्यों का महत्व- हमारा जीवन बिना पैसे के आगे नहीं बढ़ सकता। हम अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल जरूरतों को तभी पूरा कर सकते हैं, जब हमारे पास एक निश्चित इनकम हो। लेकिन हमारे शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म खर्चे होते हैं, जैसे बच्चों की शिक्षा, शादी, कार या घर खरीदना, वेकेशन, रिटायरमेंट प्लान आदि। इन खर्चों को पूरा करने के लिए एक बेहतर फाइनेंशियल गोल का होना जरूरी है। क्योंकि, अगर लक्ष्य को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो व्यवहार में अनुशासन आता है और निवेश की यात्रा सरल हो जाती है। इसलिए, निवेश के निर्णय हमेशा इन लक्ष्यों की समयसीमा और उद्देश्य पर आधारित होने चाहिए।

भारत-चीन की नजदीकी से पाकिस्तान को 61000 करोड़ का लॉस! चिंता में मुनीर से लेकर शहबाज, इस बैंक से मांगा लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान पिछले 4-5 सालों से महंगाई, कर्ज और नकदी संकट से जूझ रहा है, और लोन के लिए चीन से लेकर सऊदी अरब जैसे देशों से गुहार लगाता रहा है। लेकिन, जैसे ही ट्रंप ने पाकिस्तान में इंटरेस्ट लेना शुरू किया है तो चीन ने इस्लामाबाद से दूरी बना ली है। ऐसे में पाकिस्तान का एक अहम प्रोजेक्ट अधर में लटकता नजर आ रहा है। दरअसल, सालों से सालों से पाकिस्तान विदेशी मित्रों से कर्ज लेता रहा है, पहले अमेरिका खास था तो कभी चीन। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगातार बाहरी वित्तपोषण पर निर्भर रही है। लेकिन अब चीन, जिसे इस्लामाबाद में लंबे समय से सच्चा दोस्त माना जाता रहा है, वह पाकिस्तान को फंडिंग 61000 करोड़ के प्रोजेक्ट में फंडिंग करने से हिचक रहा है।

खास बात है कि यह सब ऐसे वक्त में हो रहा है जब अमेरिका के खिलाफ भारत-चीन और रूस लामबंद हो रहे हैं। ऐसे में भारत और चीन के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघल रही है और कड़वाहट दूर हो रही है। चूंकि, भारत और चीन पास आ रहे हैं तो पाकिस्तान अलग-थलग पड़ता नजर आ रहा है।

अधर में लटका अहम रेलवे प्रोजेक्ट

दरअसल, पेशावर और कराची के बीच 7 अरब डॉलर (61000 करोड़ रुपये से ज्यादा) की मेनलाइन-। रेलवे परियोजना है, जिसकी फंडिंग के लिए चीन ने वादा किया था, वह अब बीजिंग के इनकार के बाद रुकी हुई है। इस झटके ने एक बार फिर विदेशी मदद के बिना बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्तपोषित करने में पाकिस्तान की अक्षमता को उजागर कर दिया है।

कैसे तैयार होगा यह रेल प्रोजेक्ट- ML-1 रेलवे लाइन को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण परियोजना घोषित किया गया था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि बीजिंग, रियायती लोन के ज़रिए लगभग 10 अरब डॉलर की लागत का 85 प्रतिशत वहन करेगा। लेकिन चीन ने इन शर्तों को मानने से इनकार कर दिया और पाकिस्तान पर लागत घटाकर लगभग 6.7 अरब डॉलर करने का दबाव डाला। इसके बावजूद, बीजिंग ने कम दरों पर कर्ज देने से इनकार कर दिया, जिससे इस्लामाबाद को कहीं और से लोन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

तो क्या बंद हो जाएगी घाटे में चल रही ये एयरलाइन, 80% प्लेन खड़े हैं बेकार, आपने तो नहीं खरीदा इससे टिकट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले हफ्ते से एलायंस एयर के 80 प्रतिशत हवाई जहाजों को उड़ान भरने से रोक दिया गया है क्योंकि एयरलाइन को स्पेयर पार्ट्स और इंजनों की सर्विसिंग में दिक्कत आ रही है। ये एक सरकारी कंपनी है, जिसके पास 21 विमान हैं, जो घरेलू रूट्स पर चलते हैं। इसके विमानों में 20 एटीआर विमान और एक डोर्नियर 228 विमान शामिल हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, 24 अगस्त से एलायंस एयर के केवल चार विमान ही उड़ान भर रहे हैं, जिसके नतीजे में इसकी सर्विसेज रुकी हैं।

क्यों आ रही दिक्कत- सप्लाई चेन की समस्याओं के कारण कंपनी के सामने सोर्सिंग संबंधी चुनौतियाँ आई हैं और इंजनों की मरम्मत में देरी हुई है। पर एलायंस एयर के मामले में समस्या और भी गंभीर इसलिए हो गई है क्योंकि इसने ओईएम, लीज पर विमान देने वाली कंपनियों और मैंटेनेंस आदि करने वालों को समय पर भुगतान नहीं किया।

1633 करोड़ का घाटा- पिछली गर्मियों में एयरलाइन 15 विमानों को ऑपरेट कर रही थी। फिर मार्च में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राज्यसभा को बताया कि अभी दस विमान ऑपरेशन में हैं और बाकी सप्लाई चेन की समस्या के कारण मरम्मत के इंतजार में हैं।

वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच एयरलाइन को 1633 करोड़ का घाटा हुआ और वित्त वर्ष 2025 के पहले दस महीनों में घाटा 535.45 करोड़ रहा।

खुल गई इस कंपनी के कर्मचारियों की किस्मत, 450 करोड़ का मिलेगा ESOS, बन जाएगा लाखों का फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। खनिज, एनर्जी कंवर्जन मेटल, तेल एवं गैस और टेक्नोलॉजी सेगमेंट में कारोबार करने वाले भारत के प्रमुख वेदांता ग्रुप ने FY25 में 450 करोड़ रु से अधिक की एम्प्लॉयी स्टॉक ऑप्शन्स स्कीम के साथ इंक्लूजिव वेल्थ क्रिएशन में नया बेंचमार्क स्थापित किया है।

ईएसओएस में टॉप मैनेजमेन्ट और एंट्री लेवल के प्रोफेशनल्स शामिल होते हैं। श्वस्ह्रस् कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना का एक प्रकार है, जिसमें कर्मचारियों को एक अवधि के बाद तय कीमत पर शेयर खरीदने के ऑप्शन मिलते हैं, जिससे उन्हें फौरन ओनरशिप के बजाय फ्यूचर में शेयरों की ओनरशिप मिलती है।

टेक उद्योग की बड़ी कंपनियों और कुछ भारतीय यूनिकॉर्न्स ने भी एम्प्लॉयी स्टॉक ऑप्शन्स प्रोग्राम शुरू किए हैं, हालांकि इनमें से ज़्यादातर सीमित हैं और इस तरह की ऑफरिंग फ्रैशर्स यानी नए कर्मचारियों तक नहीं पहुंचती। यहां तक कि इनमें भी कई कंपनियां साल-दर-बेनेफिट के बजाए एकमुश्त पेमेंट कर देती हैं।

मगर वेदांता के श्वस्ह्रस् प्रोग्राम में ऐसा नहीं है। वेदांता ने 20 सालों के लिए अपनी एम्प्लॉयी स्टॉक ऑप्शन स्कीम शुरू की है, जो कर्मचारियों में अपनेपन की भावना पैदा करने की कंपनी के लॉन्ग-टर्म प्रयासों को दर्शाता है। केवल 5 सालों में इक्विटी अवॉर्ड्स 80 फीसदी से ज्यादा बढ़े हैं।

जैसा कि हमने ऊपर बताया कि एम्प्लॉयी स्टॉक ऑप्शन्स, कर्मचारी लाभ योजना का एक ही रूप है, जिसके तहत कर्मचारी बहुत अधिक छूट पर (रु 1 तक) में कंपनी के शेयर खरीद सकते हैं।

क्या आपको भी आया है इनकम टैक्स से नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब आईटीआर फाइल करने में 15 दिन का समय बचा है। कुछ टैक्सपेयर ऐसे भी रहें जो पहले ही इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर चुके हैं। संभव है कि इनमें से कुछ लोगों को इनकम टैक्स विभाग की ओर से नोटिस मिला होगा।

अगर आप भी उन टैक्सपेयर्स में से एक है, जिन्हें इनकम टैक्स विभाग की ओर से नोटिस मिला है, तो ये लेख आपके लिए है। आज हम जानेंगे कि इनकम टैक्स की ओर से आने वाला ये नोटिस असली है या नकली। आप इसकी कैसे पहचान कर सकते हैं।

इनकम टैक्स के नियम के अनुसार अगर आपको विभाग की ओर से कोई नोटिस मिलता है, तो इसमें डीआईएन नंबर से आप असली या नकली की आसानी से पहचान कर सकते हैं।

लेकिन ये संभव है कि डीआईएन नंबर भी फेक हो, तो ऐसे में क्या करें।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भांजे की स्कूल फीस जमा करने के लिए मौसी ने एटीएम तोड़ा

जबलपुर। स्टेट बैंक आफ इंडिया की संजीवनी नगर शाखा में एटीएम मशीन में तोड़फोड़ कर चोरी के प्रयास की घटना का पर्दाफाश हो गया है। एटीएम के पास में ही रहने वाले एक नाबालिग और उसकी मौसी ने चोरी का प्रयास किया था। अपनी बहन के घर आयी महिला को पता चला कि भांजे की स्कूल फीस जमा नहीं हुई है। उसका स्कूल से नाम कट जाएगा। भांजे की पढ़ाई न छूटे इसलिए स्कूल फीस जुटाने के लिए महिला एटीएम तोड़कर उससे रुपये निकालने की योजना बनाई। कक्षा 11वीं में पढ़ने वाले नाबालिग भांजे के साथ 29-30 अगस्त की मध्यरात्रि को एटीएम में घुसी। रुपये निकालने में असफल रहने और पकड़ने जाने से बचने के लिए दोनों ने एटीएम में लगे तीन सीसीटीवी कैमरे खोलकर अपने साथ ले गए। पुलिस ने छानबीन के बाद दोनों आरोपित को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों में भारती मेहरा (24) और उसके भांजे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मथुरा से बहन से मिलने आयी थी महिला- नरसिंहपुर जिले की निवासी भारती का विवाह मथुरा में हुआ है। उसकी एक बहन संजीवनी नगर में रहती है। कुछ दिन पूर्व वह मिलने के लिए बहन के घर पहुंची। जहां, उसे बातचीत में पता चला कि बहन के कक्षा 11वीं में पढ़ने वाले 16 वर्षीय पुत्र की स्कूल की फीस जमा नहीं हुई। उनके पास फीस देने के लिए रुपये नहीं है। तब उसकी नजर घर के पास एक एटीएम पर गई। रात को मोपेड में रॉड, पाना, पेंचिस रखकर भांजे के साथ एटीम में पहुंची। एटीएम मशीन का कैबिनेट खोलकर रुपये निकाने का प्रयास किया। लेकिन रुपये नहीं निकले। वहां लगे सीसीटीसी कैमरे से उन्हें पहचाना जा सकता था। इसलिए बचने के लिए दोनों वहां लगे तीनों सीसीटीवी कैमरे को खोलकर मोपेड की डिक्की में रख लिया।

शाखा प्रबंधक सुनील कुमार मीणा ने एटीएम क्षतिग्रस्त होने और चोरी के संदेह की शिकायत की थी। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर संजीवनी नगर पुलिस ने छानबीन शुरू किया। घटना वाली रात में एक सीसीटीवी कैमरे में मौसी और भांजे मोपेड पर वहां से गुजरते दिखे। एक दूसरे सीसीटीवी कैमरे में रात को महिला एटीएम मशीन के आसपास ही एक घर में घुसते दिखी। तलाशी में एटीएम से चुराए गए तीनों सीसीटीवी कैमरे महिला के कब्जे से जब्त किए गए। पूछताछ करने पर उसने अनजान युवक के द्वारा तीनों कैमरे उसे देना बताया।

आरंभ में पूछताछ में पुलिस को भ्रमित करने का प्रयास किया। पुलिस ने थाने ले जाकर जब अन्य साक्ष्य दिखाएं तो महिला ने चोरी के इरादे से भांजे के साथ मिलकर एटीएम में तोड़फोड़ करना स्वीकार कर लिया।

मध्य प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं में जीवित रोजगार पंजीयन रहेगा अनिवार्य, नहीं मिलेगी छूट

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी तीन वर्षों में ढाई लाख से अधिक कार्यरत पदों पर भर्तियां होनी हैं। इसमें किसी को भी जीवित रोजगार पंजीयन से छूट नहीं मिलेगी। इसकी अनिवार्यता बनी रहेगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली वरिष्ठ सचिव समिति मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन के पक्ष में नहीं है। दरअसल, यह व्यवस्था इसलिए बनाकर रखी जा रही है, ताकि प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों में अधिक से अधिक अवसर मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 लाख से अधिक आकांक्षी (पंजीकृत बेरोजगार) युवा हैं।

ऐसे हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला- पुलिस भर्ती में रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के कारण अन्य राज्यों के युवा अयोग्य हो गए थे। इन्होंने सरकार के नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर कोर्ट ने युवाओं को राहत देते हुए इस व्यवस्था को समान अवसर देने के अधिकार के विरुद्ध बताते हुए केवल प्रशासनिक औपचारिकता बताया था और कहा था कि इससे योग्यता का निर्धारण नहीं हो सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका लगाकर चुनौती दी थी, पर राहत नहीं मिली और व्यवस्था पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए गए। उधर, रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता के मामले में निर्णय न होने के कारण भर्तियां अटक गई थीं। इसे देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने वरिष्ठ सचिव समिति के समक्ष पूरा प्रकरण रखा।

शहडोल के एकलव्य आवासीय विद्यालय हर्री के बच्चे अच्छा खाना न मिलने को लेकर विरोध में सड़क पर उतरे

शहडोल। शहडोल जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर हर्री गांव में संचालित शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राएं मेस में अच्छा खाना न मिलने का आरोप लगाते हुए पैदल 10 किलोमीटर चलते हुए कलेक्टर के पास अपनी शिकायत लेकर जा रहे हैं। इन छात्राओं ने बताया कि उनको कई सालों से अच्छा खाना नहीं दिया जा रहा।

मीनू के हिसाब से भोजन तैयार नहीं होता है इसके अलावा नाश्ता भी ना तो समय पर मिलता है और ना ही उसकी गुणवत्ता ठीक रहती है। इन छात्राओं का कहना है कि अपनी समस्या को लेकर लंबे समय से वह शिकायत करते आ रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायत यहां के प्राचार्य श्रद्धानंद दुबे सुनते ही नहीं है। इन छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया है कि अपनी समस्या को लेकर उन्होंने प्राचार्य के अलावा अन्य अधिकारियों को भी शिकायत की है, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस है और इसी कारण आज वह विरोध पर उतरे हैं।

इन छात्र-छात्राओं का कहना है कि प्राचार्य की अनदेखी के चलते हमारे भोजन में कटौती की जा रही है साथ ही हमें गुणवत्ताहीन भोजन दिया जा रहा है। छात्र-छात्राओं के विरोध की जानकारी लगते ही जनजातिय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिंहा भी स्कूल पहुंचे लेकिन इन छात्र-छात्राओं ने उनकी बात नहीं सुनी। उन्होंने कहा कि आज हम कलेक्टर से मिलकर ही अपनी बात रखेंगे।

कर्ज में डूबे एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर दे दी जान

शहडोल। शहडोल के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले एक युवक ने सोमवार की सुबह तकरीबन 11:00 बजे अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि युवक के ऊपर लाखों रुपए का कर्जा हो गया था जिसके चलते उसने फांसी लगाई है। सोहागपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची है और इस मामले की जांच कर रही है।

लाखों के कर्ज में डूबा था युवक- जानकारी के मुताबिक राहुल गुप्ता पिता राम सुंदर गुप्ता उम्र 28 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रीवा होटल के सामने सिपला कंपनी में एम आर के तौर पर काम करता था यह जल्दी ही करोड़पति बनने के चक्कर में सोशल मीडिया पर खेले जाने वाले एविएटर गेम के चंगुल में फंस गया और लाखों रुपए का कर्ज इसने ले लिया।

कर्जदारों से परेशान होकर लगाई फांसी- जानकारी के मुताबिक कर्जदारों ने पैसा मांगना शुरू किया तो परेशान होकर राहुल ने सोमवार की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि कर्जदार राहुल को प्रताड़ित कर रहे थे और उसी के चलते परेशान होकर उसने इस तरह का कदम उठाया है। हालांकि सोहागपुर थाने की पुलिस घर वालों के बयान दर्ज कर रही है और पूरी कार्रवाई के बाद ही पुलिस कुछ बताने की स्थिति में होगी।

पुलिस आगे की पूछताछ में जुटी- इस संबंध में सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे से बात की गई तो उनका कहना था कि युवक ने अपने घर में ही पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। इसका कारण कर्ज बताया जा रहा है। अब जानकारी और पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। घटना के बाद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे और माता-पिता को सांत्वना दी। राहुल कुंवारा था और अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। इस घटना के बाद लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शहडोल जिले में सूदखोरी का व्यापार भी चरम पर चल रहा है और आए दिन इन सूदखोरों की प्रताड़ना से तंग आकर यहां के लोग आत्महत्या जैसा कदम उठाते हैं।

नीमच सीबीएन ने प्लास्टिक की थैलियों में भरा डोडाचूरा जब्त किया

नीमच। अफीम उत्पादन के लिए देशभर में प्रसिद्ध मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिले मंदसौर और नीमच इन दिनों डोडा चूरा तस्करी का नया केंद्र बनकर उभर रहे हैं। राजस्थान के रास्ते दिल्ली, पंजाब और हरियाणा तक डोडा चूरा सप्लाई का रूट तस्करों ने तैयार कर लिया है। सात माह में 30 किलो से लेकर 300 किलो तक डोडा चूरा तस्करी के दो दर्जन से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

हाल ही में नीमच जिले का एक पुलिसकर्मी खुद डोडा चूरा तस्करी के आरोप में पकड़ा जा चुका है। प्रतिबंधित डोडा चूरा को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के बाहरी इलाकों में पानी या चाय में मिलाकर नशे के रूप में उपयोग किया जाता है। सस्ता नशा होने से इसकी बड़ी मांग रहती है। ट्रक, एंबुलेंस और निजी वाहनों के माध्यम से इसकी तस्करी के मामले में सामने आए हैं।

सिर्फ मप्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के अधीन अफीम की खेती होती है। अफीम वर्ष 2024-25 में समूचे देश में 1 लाख 6 हजार 390 किसानों को अफीम की खेती का लाइसेंस दिया गया, इनमें से 56 हजार 874 चीरा और 49 हजार 516 सीपीएस पद्धति से दिए गए। अकेले मप्र में चीरा पद्धति से 26 हजार 96 किसानों को लाइसेंस दिए गए। इन लाइसेंसी किसानों के पास लगभग 18 लाख 26 हजार 720 किलो डोडा चूरा की पैदावार होने का अनुमान है। वास्तविकता यह है कि 1 अप्रैल 2016 से केंद्र सरकार डोडाचूरा पर प्रतिबंध लगा चुकी है और नष्टीकरण कराने की बात कह चुकी है। इसके बाद से ही मप्र की आबकारी नीति से डोडा चूरा को हटा दिया गया है लेकिन नष्टीकरण को लेकर आज तक को कोई स्पष्ट नीति नहीं है, जिसका फायदा उठाकर तस्कर डोडा चूरा को प्रदेश से बाहर नशे के आदी लोगों तक पहुंचा रहे हैं और काली कमाई कर रहे हैं।

जनजातीय कार्य विभाग के केंद्रीय सचिव की अध्यक्षता में आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के केन्द्रीय सचिव श्री विभु नायर ने रविवार को इंदौर में आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षाकी। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, संभागीय उपायुक्त श्री ब्रजेश चंद्र पांडेय, उज्जैन संभागीय उपायुक्त श्री गणेश भाबर ,अनुविभागीय अधिकारी श्री ओम नारायण सिंह बड़कुल, सहायक आयुक्त श्री नरेंद्र भिड़े, परियोजना अधिकारी श्री मोहन सोनी उपस्थित रहे हैं। उन्होंने बैठक में कहा कि जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान लागू किया जा रहा है। जो धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का एक प्रमुख घटक है। इसका उद्देश्य है सांस्कृतिक रूप से जनजातीय क्षेत्रों में अंतिम छोर तक सेवा वितरण को गति दे सकें। आदि कर्मयोगी विभागीय योजना नहीं है। यह भारत सरकार का अभियान है जिसमें सभी डिपार्टमेन्ट की भूमिका रहेगी। यह अभियान जनजातीय शासन प्रणालियो को मजबूत करने, स्थानीय संस्थाओ को सशक्त बनाने और अनुसूचित जनजाति समुदायों का सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से पूर्ण लाभान्वित कराने के लिये कार्य करेगा।

अधिकारी गांवो का भ्रमण कर जानेंगे तखलीफे-समस्याएं और देंगे योजनाओ का लाभ- केंद्रीय सचिव श्री नायर ने बैठक में कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान में इंदौर संभाग के 3373 गाँवों में जनजातीय ग्राम शामिल है। इन गाँवो में जिला मास्टर ट्रेनर व ब्लॉक मास्टर ट्रेनर द्वारा समय-सीमा में गांव में सभी मुलभूत सुविधाये देने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी रहेंगी। साथ ही सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा हर गांव में भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्यां उन्हीं से पूछ समझ कर जमीन स्तर से गांव के विकास के लिए कार्य योजना 30 सितम्बर के पूर्व तैयार की जाएगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि 15 सितम्बर तक गांवो के क्लस्टर बनाकर क्लस्टर के सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण दे दिया जाएगा। गांव के विकास के लिए आदिवासी क्षेत्रों में काम करने वाले गैर सरकारी संगठन सामाजिक कार्यकर्ताओ, युवाओ की भी सहायता ली जायेगी। डिप्टी कमिश्नर श्री ब्रजेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा बताया गया इंदौर जिले सहित संभाग के 3373 आदिवासी गांवो में कमिश्नर इंदौर के अभिनव प्रयोग के तहत पहले से ही मूलभूत हितग्राही योजनाओ जैसे आधार कार्ड,आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, डिजिटल जाति प्रमाण पत्र,बैंक खाता खोले जाना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन इत्यादि का गेप सिचुरेएशन लगभग पूर्ण कर लिया गया है। इन गाँवो के सभी जनजातीय नागरिकों को हितग्राही मूलक योजनाओ का लाभ शत-प्रतिशत मिलने लगेगा।

रातों-रात विजय नगर में कटे पेड़, नागरिकों का फूटा गुस्सा, बोले- 'इंदौर का पर्यावरण खतरे में'

इंदौर। इंदौर में पेड़ों की कटाई अनवरत जारी है। विजयनगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए। शनिवार देर रात काटे गए पेड़ों के तने रविवार सुबह नागरिकों को नजर आए। सुबह जेसीबी से पेड़ों के तने और अन्य हिस्से हटाए गए। सुबह की सैर पर निकले लोगों ने जब बड़ी संख्या में सड़कों पर कटे हुए पेड़ों को देखा तो वे नाराज हो गए। कई नागरिकों ने विरोध दर्ज करते हुए कहा कि इंदौर में हर जगह लगातार पेड़ों की कटाई की जा रही है। तापमान लगातार बढ़ रहा है और भूमिगत जल भी कम हो रहा है। इन सबके बावजूद जिम्मेदारों को कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है। विजयनगर क्षेत्र में रहने वाले विनोद पाल ने कहा कि लगातार कट रहे पेड़ों की वजह से इंदौर में भीषण गर्मी बढ़ रही है, सावन के महीने में भी पानी नहीं गिर रहा और बसंत का मौसम तो खत्म ही हो गया है। अगर इसी तरह चलता रहा तो इंदौर में जल्द ही पर्यावरण संतुलन बिगड़ जाएगा।

मेट्रो के लिए हजारों पेड़ काटे गए- इंदौर में चल रहे मेट्रो के काम के कारण हजारों की संख्या में पेड़ों की कटाई हुई है। सुपर कारिडोर से बापट, विजय नगर और बंगाली चौराहे तक हजारों पेड़ों को काटा गया है और लगभग पूरा क्षेत्र ही पेड़ विहीन होता जा रहा है। आज मंगल सिटी मॉल के आसपास के क्षेत्र में यह पेड़ काटे गए। बताया जा रहा है कि मेट्रो स्टेशन की तैयारी को लेकर इन पेड़ों को काटा गया है।

प्रदेश में वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में मोबाइल अपडेशन का अभियान

इंदौर। परिवहन विभाग द्वारा मोबाइल नम्बर अपडेट करने के लिये इन दिनों विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वाहन स्वामी अथवा डीलर नेशनल इन्फार्मेशन सेंटर (एनआईसी) के वाहन सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं ही आसानी से मोबाइल नम्बर अपडेट कर सकते हैं। प्रदेश में वाहन के पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करते वक्त आवेदक को अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करना अनिवार्य होता है। कई बार वाहन स्वामी की जगह डीलर अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करा देते हैं। वाहन स्वामी और डीलर द्वारा सही मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर कुछ वर्षों बाद परिवर्तित कर देने के कारण डेटाबेस में संबंधित व्यक्ति का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रह पाता है। परिवहन विभाग ने जानकारी दी है कि वाहन सारथी पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से मोबाइल नम्बर अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। आधार में दर्ज आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का वाहन पंजीयन और ड्रायविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम से शत-प्रतिशत मिलान होने पर डेटाबेस में मोबाइल नम्बर तत्काल अपडेट हो जाता है। आधार पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम में भिन्नता पाई जाती है, तो आवेदक को पोर्टल पर अपना कोई दूसरा परिचय पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और पासपोर्ट अपलोड करना पड़ता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की मन की बात का 125 वाँ प्रसारण कनाड़िया में जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने शहरी और ग्रामीण नागरिकों के साथ सुना

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह 11 बजे मन की बात के 125 वें प्रसारण में संबोधित किया। मन की बात के इस अंक को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कनाड़िया स्थित अहिल्या बावड़ी में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों सहित शहरी नागरिकों के साथ सुना। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात का सिलसिला प्रारम्भ किया। जो आज भी लगातार चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस तरह के राष्ट्र से संवाद में नई सोच, नए विषय, नई घटनाओं, नई कलाओं व कई तरह की नई-नई चीजों का उल्लेख करते है। यह देश और नागरिकों के मन में नए चिंतन व विचारों की अपार संभावनाओं को जाग्रत करता है। 2014 में शुरू हुई यह पहल स्वच्छता, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर जनभागीदारी को प्रेरित करती रही है। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को सुविधाओं के साथ ही अवसर प्रदान करने के लिए आभार माना। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई भी दी। मन की बात में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश की खेल उपलब्धियों का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने शहडोल में फुटबॉल के क्रेज और उसके प्रति जर्मनी के कोच की रुचि लेने तथा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का उल्लेख किया।

मन की बात कार्यक्रम के 125वें संस्करण में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा ÷बाढ़ और बारिश से हुई इस तबाही के बीच, जम्मू-कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए।

धरती आबा योजना के लिए डिस्ट्रिक्ट रेस्पॉन्सिव ग्रुप की बैठक सम्पन्न

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को धरती आबा योजनान्तर्गत इंदौर जिले की रेस्पॉन्सिव अधिकारियों की बैठक की। धरती आबा अंतर्गत आदि कर्मयोगी अभियान में चयनित विभाग के प्रशिक्षित अधिकारियों, मास्टर ट्रेनर एनजीओ के सदस्यों और अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि ग्रामीण समाज में स्वङ्कनेतृत्व और आत्मनिर्भरता का विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्य किया जाना है। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने कहा कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आदि कर्म योगी अभियान की शुरुआत की है। जहाँ प्रदेश में 11 हज़ार 294 ग्रामों में से इंदौर जिले के 56 ग्राम आदि कर्म योगी अभियान एक मिशन के रूप में तैयार होंगे। विकासखंड महू के 52 ग्राम एवं इंदौर के 4 ग्राम सम्मिलित है। एक सशक्त मिशन, जहाँ निष्काम भाव से कर्म और कर्म के माध्यम से ईश्वर से जुड़ने का साधन है।

यह योजना विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में सुशासन और विकास को मजबूत करने के लिए बनाई गई है। हर ग्राम में प्रशिक्षित कर्मयोगियों की टीम तैयार की जायेगी। शिकायत निवारण, योजनाओ का क्रियान्वयन और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया जायेगा। ग्रामीण समाज में स्व नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का विकास होकर स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में सकारात्मक परिवर्तन महसूस किया जा सकेगा। इस योजना को सशक्त बनाने हेतु आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी एवं आदि साथी मिल जुलकर ग्रामीणों के उनके अपने सपनो को साकार कर सर्वांगीण विकास करेंगे।

देपालपुर तहसील में विमुक्ति दिवस उत्सव मनाया

इंदौर। विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू कल्याण विभाग द्वारा देपालपुर तहसील के ग्राम मांचल में स्थित आश्रम शाला परिसर में विमुक्ति दिवस उत्सव उत्साह पूर्वक मनाया गया। विभाग के सहायक संचालक अनिल सोनी ने बताया कि 31 अगस्त 1952 को इन समुदायों के विरुद्ध अंग्रेजो द्वारा बनाया गया आपराधिक जनजाति अधिनियम समाप्त किया गया था। इस उपलक्ष्य में शासन द्वारा इस दिवस को विमुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय ने की। इस दौरान स्वामी श्री दादू महाराज, श्री श्रवण चावड़ा, श्री करण नायक, श्री शंकर एच चौहान, श्री प्रकाश मानावत सहित समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी,अधिकारी कर्मचारी एवं जनसमुदाय उपस्थित थे। कार्यक्रम में विमुक्त कन्या छात्रावास सांवेर एवं बालक आश्रम शाला के बच्चों ने देशभक्ति पूर्ण नृत्य प्रस्तुतियों से जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। अतिथियों ने एक मां के नाम से पौधारोपण भी किया । इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने समुदाय के गौरवशाली अतीत और विमुक्ति दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला, सहायक संचालक श्री सोनी ने विभागीय योजनाओं से अवगत करवाया वही आभार क्षेत्र संयोजक श्री विजय जायसवाल ने माना।

पानसेमल में आयोजित हुआ वृहद स्वास्थ्य शिविर

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के निर्देशन एवं बड़वानी जिले की प्रभारी कलेक्टर सुश्री काजल जावला के मार्गदर्शन में रविवार को इंदौर संभाग के बड़वानी जिले के पानसेमल में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ पानसेमल विधायक श्री श्याम बरडे के द्वारा किया गया। उक्त शिविर में स्त्री रोग, शिशु रोग, हड्डी रोग, नाक, कान, गला रोग,अडियोमेट्री, नेत्र रोग, कुष्ठ रोग, चर्म रोग, हृदय रोग सहित अन्य रोगों के संबंध में आवश्यक जांच शिविर में उपस्थित विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा की गई।

4118 लोगो ने कराया अपना पंजीयन- पानसेमल में आयोजित वृहद स्वास्थ्य शिविर में कुल 4118 लोगों ने अपना पंजीयन कराकर विशेषज्ञ डॉक्टर्स से जांच एवं उपचार करवाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे से प्राप्त जानकारी अनुसार शिविर में आरबीएसके के अंतर्गत 35, हृदय रोग के 41, कुपोषण के 6, कैंसर रोग के 9, स्त्री रोग के 566, डायबिटिज के 76, सिकलसेल के 32, थेलेसिमिया के 1 तथा अन्य बीमारियों के 3304 व्यक्तियों के द्वारा शिविर में उपस्थित होकर जांच एवं उपचार करवाया गया।

बारिश की चुनौती के बीच झांकियों का निर्माण तेज, निगम ने 10 लाख की मदद की

इंदौर। जगह-जगह गणेशोत्सव के आयोजन हो रहे हैं, हालांकि बीच-बीच में हो रही बारिश इसमें बाधा भी बन रही है। इसके बावजूद अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाले पारंपरिक चल समारोह की तैयारियां पुलिस प्रशासन और नगर निगम ने पूरी कर ली हैं। कई साल पहले बंद हो चुकी मिलों के परिसरों में पारंपरिक झांकियों का निर्माण तेजी से चल रहा है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपनेङ्कअपने विभागों में प्राप्त सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का निराकरण समयावधि में करना सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर समस्याओं का निराकरण किया जाए। जिला अधिकारी आपसी समन्वय के साथ समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ विभाग की योजनाओं का समय पर लक्ष्य की पूर्ति करें। बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार वर्षा ऋतु में की गई तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में लगातार भ्रमण करते रहें और ध्यान रखें कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित ना हों।

बैठक मे कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने राहवीर योजना अंर्तगत जिले के पहले राहवीर पुरस्कार से नवाजे गए उज्जैन निवासी श्री बृजलाल मेघनानी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि श्री मेघनानी ने विगत 22 मई को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को ईलाज के लिए निकटतम अस्पताल में पहुंचा कर उनकी जान बचाई थी।

कलेक्टर श्री सिंह ने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि 15 से 17 आयु वर्ग के छात्रों के लिए भी आधार नामांकन का कार्य जिले में ब्लॉक वार रोस्टर अनुसार शिविर आयोजित कर समय सीमा में कार्य को पूर्ण किया जाए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सीएम हेल्पलाईन के अंतर्गत प्रतिदिन प्राप्त शिकायतों के निराकरण संबंधी जानकारी की मॉनिटरिंग करें। अधिकारी शिकायतकर्ताओं से भी चर्चा कर निराकरण से अवगत कराऐं। जिन विभागों में ज्यादा शिकायतें हैं उन विभागों के अधिकारियों के साथ शीघ्र समीक्षा बैठक की जाएगी। कलेक्टर ने समाधान ऑनलाईन, सीएम हैल्पलाईन आदि की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों के प्रकरणों के निराकरण करने में गंभीरता से कार्य संपादित करायें ।

कलेक्टर ने बैठक में खरीफ फसल, उर्वरक आदि की समीक्षा कर कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले का भ्रमण कर अधिक से अधिक किसानों से चर्चा कर प्राप्त होने वाली समस्याओं का निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने आगामी त्योहारों के बारे में भी अनुभागवार जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में कानुन व्यवस्था बनाए रखे। क्षिप्रा नदी में जल स्तर बड़ने पर घाटों पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बारिश के मौसम में नदी-नालों-रपटो पर पानी अधिक हो वहां पर बेरिकेट लगायें जाए ताकि किसी प्रकार कि घटना दुर्घटना ना हो।

सेवा और साहस का सम्मान : चिकित्सकों, जीवनदीप परिवार और विक्रांत जैन युवा का अभिनंदन

उज्जैन। समाज सेवा के प्रति समर्पण, निस्वार्थ भाव से की गई सेवाओं और विषम परिस्थितियों में दिखाए गए साहस को मान्यता देते हुए, श्री विजय हीर सू.जी. बड़ा उपाश्रय, पेडी खाराकुआँ में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में जीवनदीप परिवार, चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सेवाभावी डॉक्टरों और सामाजिक कार्यों में सक्रिय विक्रांत जैन 'युवा' को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम स्वाध्याय प्रेमी आचार्य श्री जगच्चन्द्र सूरिश्वर जी. म.सा. आदि ठाणा की पावन प्रेरणा से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के उन स्तंभों का आभार व्यक्त करना था जो अपनी विशेषज्ञता, सेवा और साहस से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। समारोह में जिन प्रमुख चिकित्सकों का आत्मीय बहुमान किया गया, उनमें डॉ. रवि जैन, डॉ. दिलीप सेलवाड़िया, डॉ. नीलम सेलवाड़िया, डॉ. रतन शर्मा, डॉ. अरुण मारोठी, डॉ. अंशुल सिरोलिया, डॉ. केतन सेलवाड़िया और डॉ. वैभव जैन शामिल थे। इन सभी डॉक्टरों को उनके निस्वार्थ सेवाभाव और समर्पण के लिए सराहा गया।

इसके अतिरिक्त, जीवनदीप फिजियोथेरेपी सेंटर के सभी सदस्यों को भी उनके अथक प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया, जिन्होंने चिकित्सा सेवाओं को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर फिजियोथेरेपी सेंटर में सक्रिय रूप से सेवा देने वाली महिला विंग की सदस्या श्वेता चौपड़ा और मेघना नाहर भी उपस्थित रहीं। इस समारोह में विक्रांत जैन 'युवा' का सम्मान भी किया गया। कई सामाजिक प्रकल्पों में उनके साहसिक और सक्रिय योगदान को समाज के सभी वर्गों द्वारा सराहा गया।

अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारी को लेकर हुई अग्रवाल समाज की बैठक

उज्जैन। अग्रसेन जयंती महोत्सव की तैयारी को लेकर अग्रवाल समाज की एक वृहद बैठक अग्रवाल धर्मशाला गोलामंडी में अग्रवाल पंचायत न्यास के अध्यक्ष निमेष अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

अग्रवाल पंचायत के सचिव दीपक मित्तल ने बताया कि बैठक में समाज की सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण समाजजन और मातृशक्ति उपस्थित थे।

जयंती महोत्सव के कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा बताते हुए अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आयुष जयकिशन अग्रवाल ने जयंती महोत्सव के कार्यक्रमों की तैयारीयों को लेकर विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

पीड़ितों के अधिकारों के लिए संघर्ष के साथ मानवाधिकारों के प्रति किया जागरूक

उज्जैन। भारतीय मानवाधिकार परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक उज्जैन में आयोजित की गई। बैठक में पीड़ितों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने के साथ ही मानवाधिकारों के प्रति आमजनों को जागरूक किया गया।

उज्जैन जिला अध्यक्ष मुकेश गहलोत, उपाध्यक्ष मांगीलाल साहू एवं देवेंद्र परिहार के नेतृत्व में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय मानवाधिकार परिषद के . राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल मेहता उपस्थित रहे। उनके साथ प्रदेश प्रभारी अखिलेश वैद्य, प्रदेश सचिव ईश्वर फतरोड़ एवं मीडिया प्रतिनिधि मोहम्मद करीम ने भी अपनी विशेष उपस्थिति न दर्ज कराई। बैठक में परिषद के विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें भरत राव जाधव, इंद्र कुमार कपूर, राधा बगाना, आदित्य सिन्ना, यासीन पटेल, अंकित साहू, राजेश बैरागी, ज्ञानचंद वास्तव, विशाल योगी, भूपेंद्र राणा, संदीप शर्मा एवं हर्ष राव जाधव प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मानवाधिकारों की रक्षा, जन-जागरूकता अभियान एवं संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि समाज के कमजोर, वंचित एवं शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा हेतु सतत कार्य किया जाएगा। अंत में सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर मानव अधिकारों के प्रचार-प्रसार एवं समाज में न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

लोकतंत्र की ताकत को पहचानो, राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बन समाज के साथ राष्ट्र का ऊंचा नाम करें- इंजी प्रकाश सिंह कीर

युवाओं से आव्हान, जब समाज के हक की आए तो हम सब एक है

उज्जैन। मध्यप्रदेश में कीर समाज 100 से ज्यादा विधानसभा में एवं 22 जिले में निवास करती है। हम 100 विधायक जीता नहीं सकते तो 25 से 30 विधायक हरा जरूर सकते हैं। एक विधायक के जीत हार से कोई भी सरकार बन सकती है या गिर सकती है। सभी समाज अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। सभी समाजों में दो गरुप है इसका मतलब यह नहीं कि हम अलग-अलग है। बात जब समाज के हक की आई तो हम सब एक है।

यह बात भाजपा नेता एव कीर समाज के अध्यक्ष इंजी. प्रकाश सिंह कीर ने कीर समाज के युवाओं से आव्हान करते हुए कही। आपने कहा लोकतंत्र की ताकत को पहचानों। मेरी विचारधारा हमेशा हिंदूवादी रही। संघ से प्रभावित रहा इसीलिए भाजपा से जुड़ा हुआ हूं। मैं समाज के सभी युवाओं से आहान करना चाहता हूं कि क्या हम हमेशा ही किसी भी नेता की कठपुतली बनके रह जाएंगे। आज हम देख रहे हैं कि हर समाज का कोई ना कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण पद पर बैठा है। सभी समाज में कोई विधायक है, कोई सांसद है, कोई प्रदेश अध्यक्ष है या कोई महामंत्री है, कोई निगम मंडल में है। पार्टी चाहे जो भी हो बीजेपी हो या कांग्रेस हो जो राष्ट्र हित में काम करें सामाजिक हित में काम करें उसका साथ दें और सामाजिक के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी जन भागीदारी करें। राष्ट्र निर्माण में अपना जन सहयोग प्रदान करें। आज किसी भी पार्टी में चाहे बीजेपी हो या कांग्रेस समाज का कोई व्यक्ति आगे नहीं बढ़ पाया तो कहीं ना कहीं उसकी गलती हमारी ही रही होगी। मगर अब समय आ गया है समाज जागरूक हो चुकी है। समाज का युवा अपने हक की लड़ाई लड़ने को तैयार है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस बार कीर समाज को प्रदेश संगठन में कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी। हम भी चाहते हैं कीर समाज का नाम स्वर्णिम भारत के इतिहास में कहीं ना कहीं अंकित हो। आने वाली पीढ़ी को हम क्या संदेश देंगे। हम आज लड़ेंगे तो कल हमारी भी समाज का कोई अस्तित्व होगा।

तेजा दशमी पर क्षीरसागर कुश्ती एरीना में होगा दंगल

उज्जैन। तेजा दशमी के पावन पर्व पर 2 सितंबर मंगलवार शाम 5 बजे से क्षीरसागर कुश्ती एरीना में दंगल का आयोजन होगा।

गणेश बागड़ी ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी तेजा दशमी के पर्व पर परंपरागत दंगल क्षीरसागर कुश्ती ग्राउंड पर होगा। जिसमें महाराष्ट्र के कोल्हापुर, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पहलवान कुश्ती का प्रदर्शन करेंगे। दंगल में भागवत पह. गंगावेश तालीम कोल्हापुर तथा समरोज पह. अवन्तिका कुश्ती उज्जैन के बीच दंगल होगा। वहीं बीजली पह. गुरु हनुमान अखाड़ा दिल्ली तथा शिव पह. भगतसिंह अखाड़ा, रोहतक, राहुल पह. ईलाहाबाद उ.प्र. तथा अशोक पह. आगरा उ.प्र., राजेश काला पह. खंडवा तथा अलफेज पह. अवतिका कुश्ती सेंटर, विशेष ठाकुर पह उज्जैन तथा मयूर पह. हरदा के बीच दंगल देखने को मिलेगा। आयोजक श्री ओंकार दास गुरु व्यायामशाला मारुति गंज उज्जैन ने खेलप्रेमियों से दंगल में पधारकर पहलवानों की हौसला अफजाई करने का अनुरोध किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com